ISSN 0975-217X

COMMUNICATION TODAY

A BILINGUAL MEDIA QUARTERLY

VOL. 22, NO. 3 (July-September, 2018)

LIGHTHOUSE OF MEDIA PROFESSIONALS

RNI No. 58028/94
ISSN 0975-217X

Yearly Subscription

Rs. 500/- (Individual)
Rs. 1000/- (Institutional)

Life Membership

Rs. 5000/- (Individual)
Rs. 10000/- (Institutional)

For subscription send DD in favour of
'Communication Today' Payable at Jaipur
or
can be deposited online
HDFC Bank
Branch : Raja Park, Jaipur - 302004 (Rajasthan)
Branch Code : 1377
Acc. No. 13777630000120
IFSC Code : HDFC0001377
MIRC Code : 302240009
Nature of Account : Current

Edited, printed and published by :

Prof. (Dr.) Sanjeev Bhanawat
C-235A, Dayanand Marg, Tilak Nagar,
JAIPUR - 302 004 (INDIA)
Tel. : 0141-2620944, 2622862, M : 094140-73466
e-mail : bhanawat.sanjeev@gmail.com
communicationtoday1996@gmail.com

Printed at : Popular Printers, Jaipur

Contents

1. ***Democracy and Paid News***
   Dr. Raghavendra Mishra 1

2. ***Ethical Issues and Principles in Advertising***
   Dr. Gunjan Sharma 11

3. ***Alternative Views on the Theory of Communication: Exploring the Buddhist Strand***
   Sayantani Roy 21

4. ***All India Radio: An Alternate Approach to Education***
   Rajeev Kumar
   Dr. Mahima Gupta 31

5. ***Television with Local Touch in Mizoram***
   Dr. Irene Lalruatkimi 45

6. ***From Selfies to Killfies : The Truth Behind Selfie Generated Narcissism***
   Divya Narang Tinna 52

7. ***Portrayal of Disability in Bollywood Films***
   Garima Shree 68

8. ***Stereotyping Evil in Animated Movies***
   Anushka Yadav 80

9. ***Media and Empowerment of Women: An Analysis of Select Newspapers of Tripura***
   Paikrai Mog 89

10. **Awareness of Social Welfare Schemes Among Tribal Women of DeoriVillage (M. P.)**
Dr. Nagendra Kumar Singh

11. **What If Private FM Channels Carry News and Current Affairs Programmes** 100
Dr. Praveen Gautam
Sandeep Sharma

12. **The Hitavada** 114
Dr. Mrinal Chatterjee

13. **साइबर मीडिया पर बढ़ती अनियंत्रित अश्लीलता का विश्लेषणात्मक अध्ययन** 128
डॉ. मुकुल श्रीवास्तव
सैय्यद काज़िम असग़र रिज़वी

14. **सोशल मीडिया की विषयवस्तु की विविधिता और उसकी उपयोगिता- कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर छात्रों का अध्ययन** 130
डॉ. परमवीर सिंह
डॉ. बंसी लाल

15. **रियल टाइम पत्रकारिता पर सोशल मीडिया का प्रभाव** 141
प्रभात दीक्षित
हेमंत पाण्डेय

16. **जनजाति बहुल क्षेत्र बस्तर में संचार के लोक माध्यमों की वर्तमान स्थिति** 154
अनिल कुमार शुक्ला

161

ISSN 0975-217X

साइबर मीडिया पर बढ़ती अनियंत्रित अश्लीलता का विश्लेषणात्मक अध्ययन

डॉ. मुकुल श्रीवास्तव *
सैय्यद काज़िम अमग़र रिज़वी **

आज इंटरनेट और सोशल मीडिया पर जिस तरह से अश्लीलता को परोसा जा रहा है वह न केवल युवाओं बल्कि देश, समाज और स्वच्छ संस्कृति के लिए एक गम्भीर खतरा बनता जा रहा है। यह खतरा कोई और नहीं बल्कि इंटरनेट पर मौजूद पॉर्नवेबसाइट है। इस शोध पत्र के द्वारा में देश और समाज को यह बताने कि कोशिश की गयी है कि इंटरनेट पर जिस आकर्षण और गति से यह ऑनलाइन अश्लीलता बढ़ रही वह आपने आप में एक गम्भीर सामाजिक समस्या है और इस ग्लोबल समस्या में आग में घी का काम सोशल मीडिया और स्मार्ट मोबाइल फोन तेज़ी से कर रहे हैं।

प्रस्तावना

पिछले दो दशकों के दौरान जिस तरह से संचार प्रौद्यौगिकी ने इंटरनेट को वैश्विक जनसंचार के रूप में प्रस्तुत किया है वह क्रान्ति से भी ज्यादा बल्कि अपने आप में एक चमत्कार के समान है। पोप फ्रान्सिस ने भी इंटरनेट की महानता को इन शब्दों में बताया है "Internet is a gift from god" (SOLARO, 2014) साथ ही साथ संचार वैज्ञानिक भी इसको विश्व का पहला ग्लोबल रिवोलुशन मान रहे हैं।

पिछले एक दशक में जिस तेज़ी से और कम समय में इंटरनेट ने लोगों के बीच अपनी पहुंच बनायी है, वह रफ़्तार अन्य जनसंचार माध्यमों समाचारपत्र, रेडियो और टी.वी आदि में नहीं देखी गयी है। जिसका नतीजा यह निकला कि 1990-91 में वर्ल्ड वाइड वेब के बनने से लेकर 2017 तक लगभग आधी दुनिया इंटरनेट और उसकी सेवाओं के सम्पर्क में आ चुकी थी जिसका प्रमाण संयुक्त राष्ट्र संघ की इस रिपोर्ट से मिलता है जिसमें कहा गया है कि इंटरनेट की पहुँच वैश्विक स्तर पर वर्ष 2016 तक 47 प्रतिशत हो गयी थी यह जानकारी संयुक्त राष्ट्र की एक एजेंसी इंटननेशल टेलिकम्युनिकेशन्स युनियन ने जारी की है। (Taylor, 2016)

इंटरनेट और स्मार्ट फोन का बढ़ता दायरा

इंटरनेट और स्मार्टफोन का दायरा न केवल वैश्विक स्तर पर बढ़ रहा है बल्कि भारत में इसके बढ़ते दायरे की औसत रफ्तार वैश्विक औसत रफ्तार से भी तेज़ है। चीन के बाद भारत

* एसोसिएट प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ
** शोधार्थी, पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ